NBT PAGE 6

एलयू के छह छात्रों का राजीविका में चयन

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के समाज कार्य विभाग के परास्नातक तृतीय सेमेस्टर के छह स्टूडेंट्स का चयन राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) में हुआ है। राजीविका की ओर आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रा वसुंधरा त्रिपाठी, अजका फातिमा, दीपक कुमार गुप्ता, श्रिया किशोर कश्यप, अविनाश यादव और सुधांशी सिंह का चयन किया गया है। इन्हें सालाना तीन लाख साठ हजार रुपये से अधिक वेतन मिलेगा। इस बीच एचओडी प्रो. अनूप कुमार ने सभी स्टूडेंट्स को बधाई दी।

पेटेंट दाखिल करने को लेकर दी जानकारी

■ एनबीटी सं, लखनऊ : कोई भी व्यक्ति एक ही साथ भारत और विदेश में पेटेंट दाखिल कर सकता है। इसके लिए सिर्फ कुछ फॉर्म भरने की जरूरत होती है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के पेटेंट कार्यालय की पेटेंट और डिजाइन परीक्षक डॉ. शाहिदा मंजूर ने दीं। वह गुरुवार को एलयू में बौद्धिक संपदा अधिकार-पेटेंट और डिजाइन फाइलिंग विषय पर व्याख्यान दे रही थीं। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा, डॉ. शशि पाण्डेय भी मौजूद रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पार्क में तीन शव पड़े हैं, फोरेंसिक टीम भेजिए ...

विद्यार्थियों ने किया क्राइम सीन का क्रिएशन। संवाद

लखनऊ। समय सुबह 11 बजकर 20 मिनट। एक फोन कॉल पर सूचना आई। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार के सामने बने चंद्रशेखर आजाद पार्क में तीन शव पड़े हैं, फोरेंसिक टीम भेजकर जांच कराइए...। सूचना मिलते ही फोरेंसिक विद्यार्थियों का 14 सदस्यीय दल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर देता है।

यह नजारा बृहस्पतिवार को लविवि में एमएससी फोरेंसिक साइंस के विद्यार्थियों की मॉक क्राइम सीन रिक्रिएशन एक्टिविटी के दौरान दिखा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके माध्यम से फोरेंसिक साइंस में प्रायोगिक शिक्षा का महत्व विद्यार्थियों ने समझा। फोरेंसिक विभाग के शिक्षक डॉ. सौरभ प्रताप सिंह ने कहा कि इस एक्टिविटी में विद्यार्थियों ने आधुनिक फोरेंसिक तकनीक का इस्तेमाल कर साक्ष्य संकलन किया। सहायक प्रोफेसर आकाश कुमार ने बताया कि क्राइम सीन की जांच और प्रबंधन एक गंभीर विषय है। यह एक्टिविटी विद्यार्थियों में फोरेंसिक की बेहतर समझ विकसित करेगी। (संवाद)

लविवि की डिस्पेंसरी में अब 24 घंटे मिलेगा इलाज

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की डिस्पेंसरी में अब विद्यार्थियों को 24 घंटे इलाज की सुविधा मुहैया हो सकेगी। इसके लिए जल्द ही विवि प्रशासन कैंपस में चार एलोपैथिक डॉक्टरों की नियुक्ति करेगा। चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने के बाद चयन प्रक्रिया भी आरंभ कर दी गई है।

लविवि में छात्र-छात्राओं को इलाज के लिए कैंपस से बाहर न भटकना पड़े, इसके लिए परिसर में ही डिस्पेंसरी स्थापित की गई थी। इसमें वर्तमान में एक डॉक्टर की ही तैनाती है। इसके चलते विद्यार्थियों को सुबह 10 से शाम पांच बजे तक ही इलाज की सुविधा मिल पाती है। रात में किसी को इलाज चाहिए तो कैंपस के बाहर जाना पड़ता है।

इस समस्या को देखते हुए अब चार नए डॉक्टरों की तैनाती कर विवि में 24 घंटे इलाज मुहैया कराने की व्यवस्था की जा रही है।

जल्द तैनात होंगे चार नए चिकित्सक, प्रक्रिया शुरू

डॉक्टरों के हैं पांच पद

लविवि परिसर में छात्र-छात्राओं के इलाज के लिए डॉक्टरों के पांच पद सृजित हैं। इसमें एलोपैथिक डॉक्टर के चार और होम्योपैथिक डॉक्टर का एक पद है। अभी होम्योपैथिक डॉक्टर मुकुल चंद्रा डिस्पेंसरी में सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में विवि में एक भी महिला चिकित्सक नहीं हैं। ऐसे में उम्मीद है कि नई नियुक्तियों महिला चिकित्सक की तैनाती भी की जाएगी, ताकि छात्राओं को इलाज मिलने में सहूलियत मिले। लविवि के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि चिकित्सकों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही सभी पदों के सापेक्ष भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद इलाज का समय बढ़ा दिया जाएगा।

लविवि : छह विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

लखनऊ। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद जयपुर की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के छह विद्यार्थियों वसुंधरा त्रिपाठी, अजका फातिमा, दीपक कुमार गुप्ता, श्रिया किशोर, अविनाश यादव व सुधांशी सिंह का चयन किया गया है। इन्हें सालाना 3.60 लाख का पैकेज ऑफर किया गया है। (संवाद)

32 विद्यार्थियों ने दी पीएचडी परीक्षा

लखनऊ। लविवि में बृहस्पतिवार को भौतिक विज्ञान विभाग के पीएचडी कोर्स की परीक्षा हुई। दो दिवसीय इस परीक्षा में पहले दिन 32 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसमें 25 पूर्णकालिक छात्र व 7 अंशकालिक छात्र शामिल रहे। (संवाद)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

प्लेसमेंट ड्राइव में चयनित हुए लविवि के 6 विद्यार्थी

लखनऊ (एसएनबी)। समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), जयपुर द्वारा आयोजित किए गए प्लेसमेंट ड्राइव में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ने समाज कार्य परास्नातक तृतीय सेमेस्टर (एमएसडब्लू) के छः विद्यार्थियों का चयन यंग प्रोफेशनल के पद पर सालाना तीन लाख साठ हजार रुपए से अधिक वेतन पर किया है। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने इस पर खुशी जताते हुए सभी चयनित छात्र-छात्राओं को बधाई दी। चयनित विद्यार्थियों में वसुंधरा त्रिपाठी, अजका फातिमा, दीपक कुमार गुप्ता, श्रिया किशोर कश्यप, अविनाश यादव तथा सुधांशी सिंह शामिल हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

पीजी विषम सेमेस्टर परीक्षा के केंद्रों की सूची जारी

लखनऊ। एलयू व सम्बद्ध महाविद्यालयों के परास्नातक विषम सेमेस्टर 2022-23 के आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स पाठ्यक्रमों के परीक्षा केंद्रों की सूची जारी हो गई है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी में 23 नोडल सेंटर बनाए गए हैं। जिसके जरिए सौ से अधिक कॉलेजों की परीक्षाएं कराई जाएंगी।

भारत और विदेशों में साथ पेटेंट दाखिल कर सकते

लखनऊ। एलयू के रसायन विज्ञान विभाग में गुरूवार को बौद्धिक संपदा अधिकार- पेटेंट और डिजाइन फाइलिंग पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। यहां वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के पेटेंट कार्यालय की पेटेंट और डिजाइन परीक्षक डॉ. शाहिदा मंजूर ने बताया कि व्यक्ति एक ही साथ भारत और विदेशों में पेटेंट दाखिल कर सकता है। इसके लिए कुछ फॉर्म भरने की जरूरत होती है।

एलयू: 311 ने छोड़ी परीक्षा, 10 नकलची पकड़े

लखनऊ। एलयू स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीए, बीबीए, बीकॉम, बीएससी और बीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं में गुरूवार को 37549 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रथम पाली में 22552 और द्वितीय में 14997 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कुल 311 अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में कुल दस नकलची पकडे। कुलपति ने निरीक्षण भी किया।

बीएड परीक्षा कार्यक्रम जारी करने की मांग

लखनऊ। एलयू व संबद्ध महाविद्यालयों के बीएड विषम सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी करने की मांग बुधवार को छात्रों ने ट्वीट कर उठाई। विद्यार्थियों का कोर्स पूरा हुए लगभग दो महीने का समय हो चुका है। वहीं परीक्षा केन्द्रों की संभावित सूची जारी किए भी एक महीना होने को है लेकिन परीक्षा कार्यक्रम जारी न हो सका है। अंतिम परीक्षा केन्द्रों की सूची भी न जारी हो सकी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

छात्रों ने जाने क्राइम इन्वेस्टीगेशन के गुर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

क्राइम सीन देखते छात्र-छात्राएं व मौके पर उपस्थित कुलपति। अमृत विचार

अमृत विचार :लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में एमएससी फॉरेन्सिक साइंस के छात्र-छात्राओं की ओर से आपराधिक घटना स्थल के अन्वेषण का प्रदर्शन गुरुवार को किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय भी छात्रों के साथ मौजूद रहे।

विभागाध्यक्ष डॉ. केया पाण्डेय ने कहा कि आने वाले समय में ऐसी गतिविधियों के संचालन के लिए सफल प्रयास किये जाएंगे। इस दौरान फॉरेन्सिक विभाग के शिक्षक डॉ. सौरभ प्रताप सिंह ने आपराधिक घटना स्थल के अन्वेषण की महत्ता बताते हुए इसमें प्रयोग होने वाले उपकरणों एवं तकनीकियों की जानकारी दी। सहायक प्रोफेसर अभिमन्यु हर्षे ने आपराधिक न्याय प्रणाली को निश्चित रूप से सामाजिक नियंत्रण का साधन एवं स्वस्थ समाज का अभिन्न अंग बताते हुए इनके बारे में जानकारी प्रदान की।

छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कॅरियर

- लखनऊ विश्वविद्यालय के छह और पुनर्वास विश्वविद्यालय के तीन छात्रों का हुआ चयन

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के छह छात्रों के साथ शुक्रवार को पुनर्वास विश्वविद्यालय के तीन छात्र व छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हो गया। इसमें लखनऊ विवि के छह छात्र को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका)में यंग प्रोफेशनल के पद पर सालाना रुपये तीन लाख साठ हजार के पैकेज पर हुआ है। वहीं पुनर्वास विवि के तीन छात्रों का अमेजॉन कंपनी में वर्चुअल कस्टमर सर्विस एसोसिएट के पद पर 2.40 लाख के सालाना पैकेज पर कैंपस प्लेसमेंट हुआ है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में प्लेसमेंट ड्राइव में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ने समाज कार्य परास्नातक तृतीय सेमेस्टर (एम्एसडब्लू) के छह विद्यार्थियों का चयन यंग प्रोफेशनल के पद पर सालाना तीन लाख साठ हजार रूपये से अधिक वेतन पर किया गया। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने इस पर खुशी जताते हुए सभी चयनित छात्र-छात्राओं को बधाई दी। इसमें वसुंधरा त्रिपाठी, अजका फातिमा, दीपक कुमार गुप्ता, श्रिया किशोर कश्यप, अविनाश यादव व सुधांशी सिंह को चयनित किया गया है।

उधर, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के निदेशक बिराग दीक्षित ने बताया कि बीटेक की छात्रा वैष्णवी द्विवेदी और एमसीए छात्रा सृष्टि राव व छात्र अक्षय श्रीवास्तव का अमेजॉन कंपनी में वर्चुअल कस्टमर सर्विस एसोसिएट के पद पर 2.40 लाख के सालाना पैकेज पर कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की परीक्षा केंद्रों की फाइनल सूची

103 सेंटर्स पर पीजी और 61 पर बीएड सेमेस्टर एग्जाम

केंद्रों की विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है

LUCKNOW (2 Mar): लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक एवं बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की फाइनल सूची जारी कर दी. पीजी की परीक्षाएं 103 केंद्रों पर होंगी. इसके लिए 23 नोडल केंद्र भी बनाए गए हैं. वहीं, बीएड सेमेस्टर परीक्षा के लिए 61 केंद्र और 17 नोडल केंद्र निर्धारित कर दिए गए. केंद्रों की विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है.

इस बार बढ़ गए सेंटर

एलयू ने बीते चार फरवरी को पीजी और बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी की थी, जिसमें पीजी में 102 और बीएड में 39 केंद्र बनाए थे. अब पांच जिलों में होने वाली परीक्षाओं के लिए जारी फाइनल सूची में केंद्रों की संख्या बढ़ गई है. पीजी के 103 केंद्रों पर 122 कालेजों और बीएड में 61 केंद्रों पर करीब 177 कालेजों के छात्र-छात्राएं परीक्षा के लिए आवंटित किए गए हैं. हालांकि अभी पीजी और बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है.

नियुक्ति से पहले देनी होंगी ये सूचनाएं

एलयू ने संबद्ध महाविद्यालयों को स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्राचार्य एवं शिक्षकों की नियुक्ति के चयन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं. चयन के लिए विषय विशेषज्ञ किए जाने संबंधी प्रस्ताव भेजने से पहले कालेजों को लेटर पैड पर पदों की संख्या, शैक्षिक अर्हता सहित अन्य विवरण के साथ हस्ताक्षरित विवरण विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराना होगा. इसे लवि वेबसाइट पर अपलोड करेगा. इसके बाद ही विषय विशेषज्ञ नामित जाएंगे.

- **छह विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट**

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद जयपुर की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में लवि के समाज कार्य विभाग से परास्नातक तृतीय सेमेस्टर (एमएसडब्लू) के छह विद्यार्थियों का चयन हुआ है. यंग प्रोफेशनल के पद पर चयनित छात्र-छात्राओं में वसुंधरा त्रिपाठी, अजका फातिमा, दीपक कुमार गुप्ता, श्रिया किशोर कश्यप, अविनाश यादव, सुधांशी सिंह शामिल हैं. विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एके भारतीय ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को सालाना तीन लाख साठ हजार रुपये से अधिक वेतन का पैकेज मिलेगा.

- **शुरू हुई पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षा**

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से पीएचडी (सत्र 2021-22) के कोर्स वर्क की परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई. पीएचडी कोर्स कोऑर्डिनेटर डा. सौऔर गौतम एवं डा. विवेक कुमार सिंह ने बताया कि यह परीक्षा दो दिन चलेगी. इसमें 32 छात्र छात्राएं सम्मिलित हैं, जिनमें 25 पूर्णकालिक तथा सात अंशकालिक छात्र शामिल हैं. अविष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अन्य विभागों के कोर्स वर्क की परीक्षाएं जल्द ही कराई जाएंगी. यूजीसी के मानकों के अनुसार पीएचडी में कोर्स वर्क सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है.

DAINIK JAGRAN PAGE 4

फोरेंसिक साइंस के विद्यार्थियों ने हत्याकांड से उठाया पर्दा

लखनऊ विश्वविद्यालय में माक क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन, तीन घटनाओं के लिए तैयार किया था क्राइम सीन, बनाई थीं टीमें

जागरण संवाददाता, लखनऊ : पेड़ पर फंदे से लटका युवती का शव। पास में युवक मृत पड़ा था। चारों तरफ खून के छींटे थे। चंद कदमों पर मांस के कुछ टुकड़े पड़े थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि तीन लोगों की हत्या की गई है। यह दृश्य कहीं और का नहीं गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में चंद्रशेखर पार्क में देखने को मिला। ये वास्तविक घटना नहीं, बल्कि एमएससी फोरेंसिक साइंस के विद्यार्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए माक क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन के लिए यह दृश्य तैयार किया था।

विद्यार्थियों ने छानबीन की तो उन्हें पास में काला जादू करने के साक्ष्य मिले। शुरू में लगा कि युवक और युवती की बलि दी गई है। हालांकि जैसे-जैसे उन्होंने साक्ष्य संकलन शुरू किया, हत्याकांड से जुड़े सवालों के जवाब मिलते गए। घटना स्थल से सुसाइड नोट, फरसा, चाकू, कुछ फटी तस्वीरें और मोबाइल फोन बरामद किया गया। कई टुकड़ों में मिली तस्वीरों को आपस में जोड़ा गया तो युवक और युवती की आपत्तिजनक फोटो बनकर सामने आई। बस, फिर क्या था। विद्यार्थियों ने बरामद मोबाइल फोन के जरिये घरवालों से संपर्क किया। दोनों के परिवारजन बुलाए गए। पूछताछ में पता चला कि दोनों की हत्या आनर किलिंग है। क्राइम सीन पर विद्यार्थियों के परीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक साइंस में प्रायोगिक शिक्षा की विशेष भूमिका है। वहीं, विभागाध्यक्ष डा. केया पांडेय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय कुशल एवं योग्य मानव संसाधन विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में ऐसी गतिविधियों के संचालन के लिए अथक एवं सफल प्रयास किए जाएंगे। डा. सौरभ प्रताप सिंह ने आपराधिक घटना स्थल के अन्वेषण की महत्ता बताते हुए इसमें प्रयोग होने वाले उपकरणों एवं तकनीक की जानकारी दी। प्रायोगिक परीक्षा के दौरान तीन टीमें बनाई गई थीं। तीनों के लिए अलग-अलग घटना स्थल तैयार किए गए। एक टीम के लिए लाल बारादरी के पास हिट एंड रन की घटना और दूसरा लखनऊ विश्वविद्यालय में किया गया। इस घटना अन्वेषण में हत्या और हिट एंड रन की घटना दर्शाई गई थी। मौके पर दो लोगों की मौत का दृश्य प्रदर्शित किया गया। वहीं एक अन्य टीम के लिए मानव विज्ञान विभाग के सेमिनार हाल में लूट और हत्या का दृष्य तैयार किया गया था।

लखनऊ विश्वविद्यालय के चंद्रशेखर आजाद पार्क में माक क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन का प्रदर्शन करते छात्र-छात्राएं ● जागरण

लविवि की परीक्षा में पकड़े गए 11 नकलची

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दोनों पालियों में 311 परीक्षार्थी अनुपस्थित, कुलपति ने किया निरीक्षण

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीए, बीबीए, बीकॉम, बीएससी और बीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं में गुरुवार को 37549 परीक्षार्थी शामिल हुए।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि लखनऊ सहित पांच जिलों में 50 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा की प्रथम पाली में 22552 और द्वितीय में 14997 विद्यार्थी उपस्थित रहे। जबकि दोनों पाली में कुल 311 स्टूडेंट्स अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सचल दल द्वारा दोनों पालियों में कुल 11 नकलची पकडे गए। मुख्य परिसर में आयोजित हुई परीक्षाओं का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने प्रथम पाली में निरीक्षण किया।

पीएचडी में एडमिशन के दो ऑप्शन

GOOD NEWS

यूजीसी के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय तैयार कर रहा संशोधित पीएचडी अध्यादेश

LUCKNOW (2 Mar): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिले के लिए अभ्यर्थियों को जल्द ही दो नए विकल्प की सुविधा भी दी जाएगी. नए बदलाव के तहत चार साल का स्नातक और एक साल का परास्नातक करने के बाद या फिर चार साल के स्नातक में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर प्रवेश परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा. तीन साल के स्नातक व दो साल के परास्नतक के बाद आवेदन करने की पुरानी व्यवस्था भी जारी रहेगी.

बोर्ड आफ स्टडीज के प्रावधानों में होगा संशोधन

एलयू विभिन्न विषयों की बोर्ड आफ स्टडीज (अध्ययन मंडल) के गठन संबंधी प्रावधानों में संशोधन करेगा. इसके लिए कुलसचिव संजय मेधावी ने गुरुवार को कमेटी का गठन कर दिया है, जिसमें कला संकाय अध्यक्ष, वाणिज्य संकाय अध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय अध्यक्ष, शिक्षा संकाय अध्यक्ष और अधिष्ठाता शैक्षणिक को शामिल किया गया.

अध्यादेश जारी हुआ है

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत पीएचडी प्रवेश में बदलाव करके बीते नवंबर में संशोधित अध्यादेश जारी किया है. कुलाधिपति के आदेश पर एलयू ने भी अपने यहां नए बदलाव को शामिल करने के लिए डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है. कमेटी इन दिनों बदलाव पर मंथन करके पीएचडी के संशोधित अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने में लगी है. डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एनईपी के तहत यूजीसी ने पीएचडी को लेकर कई बदलाव जारी किए हैं. उसमें पीएचडी प्रवेश के लिए तीन विकल्प दिए गए हैं. इनमें दो नए और एक पुराना है. इस पर कमेटी काम कर रही है. जल्द ही कमेटी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को इसका प्रारूप तैयार करके प्रस्तुत करेगी.

एक समान गाइडलाइन

प्रदेश के सभी राज्य एवं प्राइवेट विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश की गाइडलाइन एक समान होंगी. इसको लेकर शासन ने एलयू के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी गठित की है. इसमें चार विश्वविद्यालयों के कुलपति, शासन के विशेष सचिव एवं लवि के कुलसचिव बतौर सचिव शामिल हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

पीएचडी में प्रवेश के लिए मिलेंगे दो नए विकल्प

यूजीसी के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय तैयार कर रहा संशोधित पीएचडी अध्यादेश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिले के लिए अभ्यर्थियों को जल्द ही दो नए विकल्प की सुविधा भी दी जाएगी। नए बदलाव के तहत चार साल का स्नातक और एक साल का परास्नातक करने के बाद या फिर चार साल के स्नातक में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर प्रवेश परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा। तीन साल के स्नातक व दो साल के परास्नतक के बाद आवेदन करने की पुरानी व्यवस्था भी जारी रहेगी।

दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत पीएचडी प्रवेश में बदलाव करके बीते नवंबर में संशोधित अध्यादेश जारी किया है। कुलाधिपति के आदेश पर लवि ने भी अपने यहां नए बदलाव को शामिल करने के लिए डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। कमेटी इन दिनों बदलाव पर मंथन करके पीएचडी के संशोधित अध्यादेश का प्रारूप तैयार करने में लगी है। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एनईपी के तहत यूजीसी ने पीएचडी को लेकर कई बदलाव जारी किए हैं। उसमें पीएचडी प्रवेश के लिए तीन विकल्प दिए गए हैं। इनमें दो नए और एक पुराना है। इस पर कमेटी काम कर रही है। जल्द ही कमेटी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को इसका प्रारूप तैयार करके प्रस्तुत करेगी।

सभी विश्वविद्यालयों में एक समान होगी पीएचडी गाइडलाइन : प्रदेश के सभी राज्य एवं प्राइवेट विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश की गाइडलाइन एक समान होंगी। इसको लेकर शासन ने लवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी गठित की है। इसमें चार विश्वविद्यालयों के कुलपति, शासन के विशेष सचिव एवं लवि के कुलसचिव बतौर सचिव शामिल हैं। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि पूरे उत्तरप्रदेश में समान पीएचडी गाइडलाइन लागू की जानी है। इसकी रूप रेखा तैयार करने के लिए कमेटी बनाई गई है।

बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व बताया

लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में गुरुवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के पेटेंट कार्यालय दिल्ली से पेटेंट एवं डिजाइन परीक्षक डा. शाहिदा उमर ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्याख्यान दिया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने श्रोताओं को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में बताया कि कैसे सभी शोधकर्ताओं के लिए फायदेमंद होगा। डा. शहिदा ने बताया कि भारत में विभिन्न प्रकार की बौद्धिक संपदा हैं, जिन्हें अलग-अलग कानूनों के तहत संरक्षित किया जाता है।

103 केंद्रों पर पीजी, 61 पर होंगी बीएड की सेमेस्टर परीक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक एवं बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की फाइनल सूची जारी कर दी। पीजी की परीक्षाएं 103 केंद्रों पर होंगी। इसके लिए 23 नोडल केंद्र भी बनाए गए हैं। वहीं, बीएड सेमेस्टर परीक्षा के लिए 61 केंद्र और 17 नोडल केंद्र निर्धारित कर दिए गए। केंद्रों की विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। लवि ने बीते चार फरवरी को पीजी और बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी की थी, जिसमें पीजी में 102 और बीएड में 39 केंद्र बनाए थे। अब पांच जिलों में होने वाली परीक्षाओं के लिए जारी फाइनल सूची में केंद्रों की संख्या बढ़ गई है। पीजी के 103 केंद्रों पर 122 कालेजों और बीएड में 61 केंद्रों पर करीब 177 कालेजों के छात्र-छात्राएं परीक्षा के लिए आवंटित किए गए हैं। हालांकि अभी पीजी और बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है।शिक्षकों की नियुक्ति से पहले देनी होंगी ये सूचनाएं : लवि ने संबद्ध महाविद्यालयों को स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्राचार्य एवं शिक्षकों की नियुक्ति के चयन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। चयन के लिए विषय विशेषज्ञ किए जाने संबंधी प्रस्ताव भेजने से पहले कालेजों को लेटर पैड पर पदों की संख्या, शैक्षिक अर्हता सहित अन्य विवरण के साथ हस्ताक्षरित विवरण विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराना होगा। इसे लवि वेबसाइट पर अपलोड करेगा। इसके बाद ही विषय विशेषज्ञ नामित जाएंगे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

लविवि भौतिक विज्ञान की पीएचडी परीक्षा शुरू

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिक विज्ञान विभाग के पीएचडी (सत्र 2021.22) के कोर्स वर्क की परीक्षा गुरूवार को प्रारम्भ हुई।पीएचडी कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉण्सीण्आरण् गौतम एवं डॉण्विवेक कुमार सिंह ने बताया कि यह परीक्षा दो दिन चलेगी तथा इस परीक्षा में कुल 32 छात्र.छात्राएं सम्मिलित हो रहे हैए जिसमे 25 पूर्णकालिक छात्र तथा 7 अंशकालिक छात्र शामिल हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन का निरीक्षण करने के उपरांत अधिष्ठाता अकादमिक प्रोण् पूनम टंडन ने बताया कि भौतिक विज्ञान विभाग 2021.22 सत्र के कोर्स वर्क की परीक्षा करवाने वाला पहला विभाग है। अन्य विभागों के कोर्स वर्क की परीक्षाएं जल्द ही संपन्न करायी जाएंगी। ज्ञात हो कि यूजीसी के मानकों के अनुसार पीएचडी में कोर्स वर्क सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। इसके साथ ही सत्र 2022.23 के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया भी चल रही है तथा लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जल्द ही प्रवेश परीक्षा आयोजित करवाई जाएगी।

TARUN MITRA PAGE 12

लविवि में भौतिक विज्ञान की पीएचडी परीक्षा शुरू

लखनऊ, 02 मार्च (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिक विज्ञान विभाग के पीएचडी (सत्र 2021-22) के कोर्स वर्क की परीक्षा गुरूवार को प्रारम्भ हुई।पीएचडी कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ.सी.आर. गौतम एवं डॉ.विवेक कुमार सिंह ने बताया कि यह परीक्षा दो दिन चलेगी तथा इस परीक्षा में कुल 32 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हो रहे हैं, जिसमे 25 पूर्णकालिक छात्र तथा 7 अंशकालिक छात्र शामिल हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन का निरीक्षण करने के उपरांत अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि भौतिक विज्ञान विभाग 2021-22 सत्र के कोर्स वर्क की परीक्षा करवाने वाला पहला विभाग है। अन्य विभागों के कोर्स वर्क की परीक्षाएं जल्द ही संपन्न करायी जाएंगी।

PIONEER PAGE 3

बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व बताया

LUCKNOW : एलयू रसायन विज्ञान विभाग में गुरुवार को व्याख्यान आयोजित किया गया. इसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के पेटेंट कार्यालय दिल्ली से पेटेंट एवं डिजाइन परीक्षक डा. शाहिदा उमर ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्याख्यान दिया. विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने श्रोताओं को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में बताया कि कैसे सभी शोधकर्ताओं के लिए फायदेमंद होगा.

पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षा शुरू

लखनऊ। लखनऊ विवि भौतिक विज्ञान विभाग के पीएचडी (सत्र 2021-22) के कोर्स वर्क की परीक्षा गुरुवार को प्रारम्भ हुई। पीएचडी कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ सी आर गौतम एवं डॉ विवेक कुमार सिंह ने बताया कि यह परीक्षा दो दिन चलेगी तथा इस परीक्षा में कुल 32 छात्र छात्राएं सम्मिलित हो रहे हैं जिसमे 25 पूर्णकालिक छात्र तथा